भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 5142

सोमवार, 03 अप्रैल, 2023/13 चैत्र, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रसाद योजना के अंतर्गत गुजरात के महत्वपूर्ण धार्मिक स्थानों को चिह्नित करना

5142. श्री मोहनभाई कुंडारियाः

श्री दीपसिंह शंकरसिंह राठौड़ः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) के अंतर्गत विशेषकर गुजरात में प्रमुख तीर्थस्थल चिह्नित किए गए हैं;

(ख) यदि हां, तो धार्मिक पर्यटन अनुभव समृद्ध करने के लिए पहले से किए गए/किए जाने वाले प्रयासों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या गुजरात सरकार को महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों को चिह्नित करने के लिए कोई पत्र भेजा गया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या स्थानीय मांगों के अनुसार प्रसाद योजना के अंतर्गत चिह्नित केंद्रों की सूची में धार्मिक स्थल को जोड़ने का कोई प्रावधान है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (च): पर्यटन का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन (यूटीए) की जिम्मेदारी है तथापि पर्यटन मंत्रालय तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद) नामक अपनी योजना के तहत पूरे देश में पहले से चिह्नित गंतव्यों में तीर्थयात्रा पर्यटन अवसंरचना के सृजन के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। उपरोल्लिखित योजना के तहत प्रस्तावों की प्रस्तुति और परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है जिसे संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के परामर्श से और निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्राप्ति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन, चल रही परियोजनाओं के कार्यनिष्पादन और पूर्व में जारी निधियों के उपयोग आदि के अध्यधीन पूर्ण किया जाता है। उपरोक्त के आधार पर प्रशाद योजना के तहत गुजरात राज्य में 205.53 लाख रु. की राशि से 5 परियोजनाओं सहित 25 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में तीर्थस्थलों को कवर करते हुए 1586.10 लाख रु. की लागत से कुल 45 परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है।

*****